

जङ्गबा पुं. (अर.) 1. भावना, मनोवृत्ति 2. जोश।

जज्वाती वि. (अर.) भावुक।

जट पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का गोदना जो साड़ी के आकार का होता है 2. पंजाब में खेती करने वाली एक जाति।

जटना पुं. (देश.) ठगना।

जटल स्त्री. (तद्.) गप, बकवाद, झूठ-मूठ की बात।

जटा स्त्री. (तत्.) 1. उलझे हुए तथा एक दूसरे से चिपके हुए बड़े बड़े बाल 2. उलझे हुए रेशे 3. पेड़ पौधों की जड़ शाखा, वेद पाठ की एक प्रणाली पर्या. जटि, जूट, कोटीर प्रयो. नारियल की जटा, बरगद की जटा।

जटाचीर पुं. (तत्.) महादेव।

जटाजिनी पुं. (तद्.) जटाधारी और मृगचर्म धारण करने वाला।

जटाधर पुं. (तत्.) 1. शिव 2. बुद्ध का एक नाम 3. जटाधारी।

जटाधारी वि. (तत्.) 1. जटावाला 2. महादेव 3. साधु, वैरागी 4. मुर्गकेश (पौधा)।

जटाना अ.क्रि. (देश.) 1. घटना का प्रेरणार्थक 2. ठगा जाना।

जटामंडल पुं. (तत्.) जटा जूट, जूड़ा।

जटामाली पु. (तत्.) शिव, महादेव।

जटामासी स्त्री. (तद्.) एक वनस्पति की जड़ जो सुगंधित होती है, बाल छड़, बालूचर वैद्यक में यह औषधि के रूप में प्रयुक्त होती है।

जटायु पुं. (तत्.) रामायण का एक प्रसिद्ध पात्र- गिद्ध सीताहरण में इसने रावण का विरोध किया था तथा मुकाबला करते-करते अपने प्राण दे दिए थे 2. गुग्गुल।

जटाल पुं. (तत्.) बरगद, वटवृक्ष 2. कचूर 3. गुग्गुल।

जटाला पुं. (तत्.) जटामांसी।

जटावती स्त्री. (तत्.) दे. जटामासी।

जटावल्ली स्त्री. (तत्.) शंकर जटा, रुद्रजटा 2. एक प्रकार की जटामासी, गंध मासी।

जटाशंकरी स्त्री. (तद्.) शंकर की जटाओं में रहने वाली, गंगा।

जटासुर पुं. (तत्.) महाभारत का एक प्रसिद्ध राक्षस।

जटि पुं. (तत्.) 1. बरगद का पेड़ 2. जटा 3. जटामासी 4. समूह।

जटित वि. (तत्.) जड़ा हुआ।

जटिल वि. (तत्.) 1. जटाधारी 2. कठिन 3. उलझा हुआ, पेचीदा, दुरुह 3. हिंसक, क्रूर पुं. 1. सिंह 2. जटामासी 3. शिव 4. ब्रह्मचारी 5. बकरा।

जटिलता स्त्री. (तत्.) 1. पेचीदगी 2. उलझन 3. कठिनाई।

जटिला स्त्री. (तत्.) ब्रह्मचारिणी 2. जटामासी 3. पीपल 4. वचा 5. दोना 6. गौतम वंश की एक ऋषि कन्या जिसका विवाह सात ऋषियों से हुआ था।

जटी स्त्री. (तत्.) जटामासी पु. (तद्.) 1. शिव 2. वट वृक्ष 3. साठ वर्षीय हाथी वि. जटाधारी।

जटुल पुं. (तत्.) शरीर पर जन्मजात धब्बा।

जटू वि. (देश.) ठगने वाला।

जठर पुं. (तत्.) 1. पेट 2. कोख, कुक्षी 3. एक प्रकार का पेट का रोग, जिसमें पेट फूल जाता है 4. शरीर, देह प्रयो. जठर यंत्रणा, जठर यातना-गर्भावास का कष्ट; जठराग्नि- पेट की आग वि. 1. बूढ़ा, वृद्ध 2. कठिन।

जठरगाद पुं. (तद्.) आँत का एक रोग।

जठर ज्वाला स्त्री. (तत्.) 1. पेट की आग, भूख 2. पेट का दर्द, उदरशूल।

जठराग्नि स्त्री. (तत्.) पेट की आंत जिससे भोजन पचता है, यह चार प्रकार की होती है- मंदाग्नि, विषमाग्नि, तीक्ष्णाग्नि और समाग्नि।

जठरानल स्त्री. (तत्.) दे. जठराग्नि।

जठाइन स्त्री. (तद्.) जले हुए जैसा स्वाद।

जठागनि स्त्री. (तद्.) दे. जठराग्नि।